22/6/65

22-6-65 पिता श्री ॐ प्रात: सभा

जले न क्यों परवाना :- ॐ शान्ति :- अनेक मत हैं, PPP को शमा भी कहते हैं। ब्रह्मा समाजी लोग अपने पास जोत जगाते हैं - उन को ही P समझते हैं। P कोई शमा ज्योति आदि नहीं है - यह उन की बढ़ाई कर दी है। बच्चे उन पर फ़िदा होते हैं, बल चढ़ते हैं। बल का अर्थ भी भक्ति मार्ग में कड़ा कर देते हैं। बल अर्थात् अपना जीवघात कर देते हैं - देवियों आदि पर बहुत ही बल चढ़ते हैं - वह हुई भक्ति। अभी बच्चों ने भक्ति मार्ग और ज्ञान मार्ग में फ़र्क देखा है - बरोबर दिन रात का फ़र्क है। भक्ति मार्ग को रात - ज्ञान मार्ग को दिन कहा जाता है। बच्चों को बाप कहते हैं अब देही अभिमानी बनो! देही के बाप को याद करो। वह बेहद का मालिक बेहद का सुख देने वाला गाया जाता है - तो भक्ति मार्ग बेहद की रात है - यह कोई भी नहीं जानते। भक्ति मार्ग है ही ठोकरों का मार्ग। भक्ति मार्ग की सामग्री भी बड़ी जबरदस्त है। जैसे झाड़ का एक बीज कितना छोटा होता है और उन के पत्ते कितने अथाह हैं - वैसे ज्ञान भी एक है - नाकी सब भक्ति के अनगिनत पत्ते हैं - कितना बड़ा पेशगीर है। तुम जानते हो ज्ञान और भक्ति किस को कहा जाता है - जैसे 12 घन्टा दिन 12 घन्टा रात होती है ना। वैसे यह ड्रामा का चक्कर भी पूरा 4 भाग में है। मनुष्य तो बिलकुल नहीं जानते। बाप कहते हैं कोई भी मनुष्य मत्र मुझे नहीं जानते हैं। तुम बच्चे कहेंगे कि हमारी आत्मा जानती है कि यह हमारा बाप है। बाप दादा है ना - प्रजा पिता ब्रह्मा और उन का बाप शिव। एक ही बाप से सृष्टि रची जाती है। सब उस बाप को ही पूजते हैं। आज कल तो शंकर आदि सब के आगे लिंग रखते हैं - क्योंकि समझते हैं कि यह बड़ा है। शंकर आदि देवतायें पूजते नहीं हैं - लेकिन उन को बड़ा समझते हैं। ऊँच ते ऊँच भगवान भी तो बुद्धि में बैठा है ना - ऊँच ते ऊँच बाबा है उन को सत करतार भी कहते हैं - वह जो करते हैं सच ही करते हैं - सारी सृष्टि को सतयुग बनाये देते हैं। ऐसे बाप के सन्मुख तुम बच्चे बैठे हो - नहीं तो यह राज योग कौन सिखावे? ऊँच ते ऊँच पद कौन देवे? ऊँच ते ऊँच है ही एक भगवान। भगवानोवाच्य मैं तुम को राजाओं का राजा बनाता हूँ। गीता सुनाने वाले थोड़े ही इन बातों को जानते हैं - वह तो बिल्कुल नहीं, कुछ भी नहीं जानते। पहले मुख्य एक बात ही खन्डन हो गई तो खलास। भक्ति बड़ी मुश्किल है और ज्ञान बड़ा ग़िम्बल है। बाप अक्षर ही सिर्फ़ यह कहते हैं कि मुझे याद करो - सैकन्ड में ज्ञान से जीवन मुक्ति बाप ही दे सकते हैं। भक्ति मार्ग में सब उन को याद करते हैं। गाड तो एक है ना। तुम बच्चे जानते हो हम बेहद के बाप से ब्रह्मा द्वारा वर्सा लेते हैं - त्रिमूर्ति में क्लीयर है। तुम को बाप मिला तो गोया सब कुछ मिला। बाप से ही वर्सा मिलता है। इस समय सब मनुष्य मात्र भक्त हैं। साधू-सन्त महात्मा भी भक्त हैं - तत्व को अथवा ब्रह्मा को याद तो करते हैं ना। तुम जानते हो सतयुग में किस को भी याद नहीं करेंगे। यहाँ तो भक्ति का कितना बड़ा पेशगीर है। कहते हैं कोई भी शास्त्र पढ़ो तो रास्ता मिलेगा। ज्ञान सिर्फ़ बीज है - भक्ति है सारा झाड़ इतना फ़र्क है। किसम २ के मन्दिर किसम २ के गुरु हैं, किसम २ के मत हैं - यहाँ तुम बच्चे जानते हो हम मात पिता बाप दादा के सामने बैठे हुये हैं। हम आत्मा जानती हैं हमारा बाबा है - ऐसे बैठे यह राज योग सिखलाने वाला कोई और हो नहीं सकता। स्वर्ग की बादशाही सिवाये ऊँच ते ऊँच बाप के कोई दे न सके। सतयुग में होती है बादशाही कलयुग में तो सब पतित हैं। पतित-पावन सत् गुरु, सत् बाबा, सत् शिक्षक ही स्वर्ग की राजाई देते हैं। यहाँ तुम सन्मुख बैठे हो जानते हो हम ब्रह्मा कुमार-कुमारियाँ हैं। बरोबर कल्प पहले भी बने थे। ब्रह्मा द्वारा ही ब्राह्मण रचे जाते हैं - ब्राह्मण कितने पवित्र होने चाहिये, पवित्रता भी बहुत बड़ी है। गृहस्थी ब्राह्मण लोग तो जब यज्ञ रचते हैं तो काशी करवट खा कर 7 रोज़ पवित्र रह यज्ञ की संभाल करते हैं। 7 रोज़ पवित्र ज़रूर रहना पड़ता है - यह एक कायदा है। आज कल तो पता नहीं क्या करते होंगे - हमारे ब्राह्मण बच्चे भी विकारी बन पड़ते हैं - बतलाते नहीं हैं तो उन में भी

(५) विकार आ जावेंगे। रात को गन्द करते हों गे बताते गे थोड़े ही। यहाँ तो बाप बैठा है बाप का बन कर फिर अगर विकार में गिरते हैं तो एकदम पत्थर बुद्धि बनाये देते हैं। बाप से तो कुछ भी छुपा नहीं रहता है। न भी बतावें तो भी नियम कहता उन की चलन ही पदरी हो जाती है। देवताओं जैसे चलन कोई की नहीं होगी। देवतायें तो कितने पूजे जाते हैं - तुम बच्चे जानते हो हम ऐसे देवतायें बनते हैं - यथा हम स्वर्ग के मालिक बनते हैं। बाबा तो है बीज जरूर झाड़ का ही ज्ञान दें ने। तुम बच्चों की बुद्धि में सारा झाड़ है कैसे स्थापना होती है, कैसे नया झाड़ बढ़ता है - फिर पुराना होता है। हमारे पास भी आम का झाड़ था, बूढ़ा हो गया तो फल देना छोड़ दिया - फिर उन को काट दिया - यह दुनियाँ भी बिल्कुल छी: २ कोई काम की नहीं है - इस में दुःख ही दुःख है - भक्ति मार्ग में बाबा का [illegible] सब करते हैं - बाप तो एक है न, याद फिर भिन्न २ को करते रहते हैं। बाप कहते हैं [illegible] लधे बच्चे भूल तो नहीं गये हों। तुम सतयुग में पहले २ आये थे - अभी ८५ जन्म पूरे किये [illegible] ब्राह्मण ही ८५ जन्म लेते हैं। ब्राह्मणों ने ही जास्ती भक्ति की है। भक्त भी बाबा दिखलाते हैं ना सन्देशियों को कि कैसे साक्षात्कार के लिये तड़फते हैं। सा० होने से बड़े खुश हो जाते हैं। परन्तु उन से कोई फ़ायदा थोड़े ही होता है - यह है ज्ञान। भक्त भक्ति में बैठे हैं - प्राण छोड़ने पर भी तैयार हो जाते हैं। अच्छे २ भक्तों की माल बनी हुई है, रुद्र माल भी है तो भक्त माल भी है। रुद्र माल सैकन्ड में बनती है। भक्ति तो करते रहो - वह फिर भक्त माल में गाये जाते। वह है दुर्गति की माल यह है सद्गति की माल। सब से जास्ती भक्ति ब्राह्मणों ने की होगी जो ही फिर देवता बनते हैं। आपे ही पूज्य, आपे ही पुजारी। भक्त तो सब हैं - परन्तु बाप तो सन्मुख उन के होंगे जो आत्माएं और P अलग रही बहुकाल -- पूरे ८५ जन्म भोगने वाले भी भारत वासी देवतायें ही हैं। मेले आदि भी सब भारत में ही होते हैं और कहाँ नहीं। कुंभ का मेला, रावण को जलाना यह सब यहाँ ही होता है। यह है ज्ञान की बात - वह फिर इस को भक्ति में ले गये हैं - कितना अर्थ का अनर्थ कर दिया है। बाप फिर यथार्थ अर्थ समझाते हैं - जो बच्चे सामने बैठे हैं बाप ब्रह्मा तन से कहते हैं तुम मेरे को याद करो - देह अभिमान छोड़ अपने को आत्मा समझो - यह प्रैक्टिस करनी पड़ेगी - क्योंकि सारा कल्प तुम देह अभिमानी बने हो। वहाँ सत युग में आत्म अभिमानी बन बाप को याद नहीं करते हैं। वहाँ तो समझते हैं एक शरीर छोड़ दूसरा [illegible] है। यहाँ का वर्सा जो मिला हुआ है उन के आधार पर कहते हैं हम आत्मा एक शरीर छोड़ दूसरा लेते हैं। सर्प का भी मिसाल है, समझेंगे पुरानी खल छोड़ नई लेते हैं - समझ की बातें हैं ना दूसरा कोई यह बातें समझाये न सके। राज योग कोई सिखलाये न सके। शिव बाबा का नाम भी है ऊँच ते ऊँच शिव बाबा की जयन्ति। बाबा तो एक ही बार आये हैं - उन की जयन्ति मनाते आते हैं समझना चाहिये सगंग पर ही बाबा आया होंगा, [illegible] किया होंगा। मनुष्य तो घोर अंधेरे में हैं। किसने सुलाया है? इन साधू सन्त आदि ने सुलाया है कलयुग की आयु अजन इतने वर्ष हैं घोर अन्धेरा हुआ ना। गाया भी जाता है - घोर [illegible] में थे जब आग लगी तब जागे। आगे चल तुम्हारा प्रभाव निकलेगा। PPP तो बाप है राज योग सिखलाये स्वर्ग का वर्सा देते हैं। उन को सर्व व्यापी कहना यह तो बड़ी भूल है। सर्व व्यापी के ज्ञान से ही मनुष्य कंगाल बने हैं। इस समय भारत नास्तिक है - अभी तुम आस्तिक बन बाप से वर्सा लेते हो, बाकी सारी दुनियाँ नास्तिक है अर्थात् बाप को न जानने वाले। अगर जानते तो ले भी जाते। बाप खुद कहते हैं कि राव को वापिस [illegible] ब्राह्मण मैं ही हूँ - बाकी जो भी शास्त्र आदि [illegible] हैं वह है रचना उस से वर्सा नहीं मिल [illegible] - वर्सा बाप से ही मिलता है। तुम जानते हो यह है [illegible] - बरोबर आदि सनातन देवी देवता धर्म [illegible] से स्थापना होती है। बाबा स्वर्ग स्थापन [illegible] बाकी सब को खलास कर देते हैं। कहते भी हैं क्राइस्ट से ३००० वर्ष पहले स्वर्ग था - फिर भी अनेक मत हैं ना, कोई ८ हज़ार, कोई २० हज़ार वर्ष कहो - लाखों वर्ष का अब बुद्धि से निकलता जाता है। तुम जानते हो यह रुद्र ज्ञान

है रूद्रज्ञान यज्ञ से विनाश ज्वाला प्रज्वलित होती है - फिर यज्ञ क्यों रचते कि शान्ति होवे। बाबा है लिबरेटर सब दुःखों से लिबरेट करते हैं। सब शोक वाटिका में है - दुःखी ही दुःखी है - अचानक गर जाते हैं। बादशाह के ऊपर भी कोई बिगड़े तो गारो गोली। क्या हाल है दुनियाँ का है। क्या इन को हैवन कहेंगे। घरों में अन्दर घुस कर तिजोरी आदि भी खोलाते हैं - कोई भी सेफ नहीं है। यह रायल डाकू है। बाप कहते हैं देखते हो गवर्नमेन्ट का भी क्या हाल है। जब ऐसे हालत होती है तब मैं आता हूँ। तुम बाप से सदा सुख का वर्सा लेने बैठे हो तो मेहनत करनी चाहिये ना। देखते भी हो अच्छे २ नम्बर वन-टू-थ्री वालों का भी अजन रहा हुआ है - हिसाब किताब है जो भोगना पड़ता है। चुक्तु तो सब को करना है ना। मीठे बच्चे जानते हैं कि बाबा कल्प पहले मुआफिक फिर से रातयुगी राजधानी स्थापन कर रहे हैं। बहुत जन्मों के अन्त के जन्म के भी अन्त में इन को फिर से ज्ञान मिलता है। आधा कल्प के लिये वर्सा तुम पाते हो - फिर आधा कल्प चलता है रावण का श्राप। अभी तुम बाप के पास वर्सा लेने आए हो। बाप के सन्मुख बैठे हो - तुम मात पिता हम बालक तेरे - - गाते हैं ना। अभी तुम बाप से स्वर्ग के सुख लेने पुरुषार्थ कर रहे हो। पुरुषार्थ भी पूरा करना है, श्रीमत पर चलना चाहिये। भल कहाँ भी हो राय पूछ सकते हो। ऐरो पलेन में तो दूसरे दिन चिट्ठी पहुँच जाती है। टेलीवियन भी निकलेंगे - फिर चिट्ठी की भी दरकार नहीं रहेगी। तुम को सिर्फ बाबा को याद करना है तो विकर्म विनाश होंगे। बस और कोई बात नहीं। माँ बाप बच्चे के लिये कितनी कोशिश करते हैं - समझते हैं कुल की वृद्धि करने वाला चाहिये - यह देवी देवताओं का कुल किस का है। किस ने और कैसे स्थापन किया - यह तुम बच्चे ही जानते हो - अब यह ईश्वरीय कुल है - भगवान का कुल हुआ ना। तुम बैठे हो पढ़ने वाले। तुम भी फील करते हो हम तो कुछ भी नहीं जानते थे। अब सब की बायोग्राफी को जान लिया है। PPP की बायोग्राफी, B.V.S की, L.N. की बायोग्राफी, हर एक मैसन्जर की बायोग्राफी जानते हो। वे अभी कहाँ हैं, अभी तो सब पतित हैं। वह खुद तो कभी नहीं मानेंगे। क्राईस्ट पतित है - ऐसे कोई मानता होगा, पतित होगा तो याद कर क्या करेंगे। L.N. को याद करते हैं अब उन से क्या मिलेगा - बाप समझाते हैं भक्ति मार्ग में भी पूजा करते हैं तो अल्प काल लिये मनोकामना पूरी कर लेते हैं। बाकी वह तो यह जानते नहीं कि क्राईस्ट फिर कब आवेगा। क्राईस्ट कोई जन्म में है वा नहीं। K के लिये तो K के भक्त कहेंगे वह तो हाजरां हजूर है - जिधर देखता हूँ K के ही K, राधे के भक्त फिर कहेंगे जिधर देखता हूँ राधे ही राधे, कोई राम को बड़ा रखते, कोई K को। बच्चियाँ यहाँ आए शरण लेती हैं - क्योंकि मार पड़ती है तो ऐस्लम (शरण) लेती हैं। शरणागत माने शरण ली है सद्गति के लिये। भारत में भी शरण आए लेते हैं ना। भारत में कोई भी आवेगा तो भारतवासी उन को पनाह देंगे। अब तुम बच्चे जानते हो हम रावण के राज्य से तंग हो राम के शरण में आए हैं बाप की रावण की ज़ंजीर से छुड़ाये रहे हैं - कोई तकलीफ नहीं है - भल घर में बैठे याद करो, भक्ति मार्ग में भी याद करते हैं ना - तुम तो जानते हो यह सब खतम होना है। तुम्हारा है बेहद का सन्यास - देह सहित सब कुछ खलास होना है - इस लिये बाप को जरूर याद करना पड़े। मरने समय भी गाड को याद करते हैं ना - यह है ऊँच ते ऊँच बाप उन को कितना याद करना चाहिये। आज कल तो देखो साधू, गुरु का भी फोटो डाल देते हैं - तुम तो बाप के बच्चे हो। तुम जानते हो हम आत्मा हैं - शिव बाबा का फोटो क्या बनेगा - कुछ भी नहीं। हम आत्मा हैं बिन्दी बाबा भी बिन्दी है - वन्डर है ना बिन्दी में कितना भारी पार्ट है - उन को कहा जाता है क्रिएटर, डायरैक्टर, प्रिन्सीपल एक्टर। पतित पावन है तो कितना प्रिन्सीपल एक्टर है। PPP शरीर का आधार लेते हैं - सब राज़ समझाए रहे हैं।

अच्छा बाप दादा का मीठे २ सिक्की लधे बच्चों प्रति याद प्यार और गुड मार्निंग। ॐ